करेंगी और इस प्रकार एक नई परम्परा का निर्माण करेंगी। यदि वह ऐसा कर दे तो हम इस प्रस्ताव पर जोर नहीं देंगे।

मैंने समाचार पत्रों में पढ़ा है कि सरकार शीघ्र ही इस उद्घोषणा को समाप्त करने वाली है। वह 15 अप्रैल तक प्रतीक्षा करने का विचार रखती है जबकि डा० सम्पूर्णानन्द अपने पद से रिटायर हो जायेंगे। सरकार उन्हें अपमानित होने से बचाना चाहती है। यदि ऐसा न होता तो सरकार किसी समय भी ठीक कार्यवाही कर सकती थी। मैं फिर कहता हूँ कि यदि प्रधान मन्त्री अपनी भूल स्वीकार करें तो वहाँ स्थिति को सुधारा जा सकता है।

प्रधान मन्त्री तथा अणु शक्ति मन्त्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : मैं समझती हूँ कि अविश्वास प्रस्ताव के लाये जाने की संख्या के बढ़ जाने से इन प्रस्तावों का प्रभाव कम हो जायेगा। विभिन्न दलों ने अपने विचार यहाँ प्रकट किये है। उनकी विचारधाराओं में बहुत भिन्नता हैं। काँग्रेस पार्टी पर आक्षेप भी किये गये हैं। परन्तु काँग्रेस पार्टी ने देश में ऐसी परम्पराएँ स्थापित की हैं कि आज देश के अनेक राज्यों में गैर-कांग्रेसी सरकारें बनी हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि हम सत्ता असंविधानिक ढंग से अपने हाथ में नहीं रखना चाहते। हमारे देश में संविधान पर ठीक ढंग से अमल होने दिया जा रहा है जबकि कई अन्य देशों में सरकारें इस प्रकार कार्य नहीं करती हैं।

राजस्थान के बारे मे बहुत से माननीय सदस्यों ने संवैधानिक स्थिति का उल्लेख किया है और स्पष्ट दृष्टिकोण हमारे सामने रखा है। अतः मैं इस विषय में अधिक नहीं कहना चाहूँगी।

हम समझते है कि हमारे देश में एकदम कोई परिवर्तन आ गया है। हम भूल जाते हैं कि चुनाव से पहले भी परिवर्तन का आभास होने लगा था। यह लोकतन्त्र के चिह्न है। हमने स्वयं इसको बढ़ावा दिया है। हमारा देश एक बहुत बड़ा देश है। हमने प्रयत्न किया है कि इसमें लोकतन्त्र पनपे। इसी के फलस्वरूप आज की नई स्थिति उत्पन्न हुई है।

सबसे पहला काम मैंने यह किया है कि मैंने गैर-कांग्रेसी मुख्य मंत्रियों को अपने पूरे सहयोग का आश्वासन दिया है और उन्होंने भी ऐसे ही विचार व्यक्त किये हैं। हमें एक दूसरे के सहयोग से देश की आर्थिक तथा खाद्यान्नों सम्बन्धी समस्याओं का समाधान करना है। हमें अनुचित आलोचना नहीं करनी चाहिये।

हम चाहते थे कि राजस्थान में भी अन्य राज्यों की तरह शान्तिमय ढंग से सरकार बनती परन्तु वहां अहिंसात्मक घटनाएँ होने के कारण स्थिति असामान्य हो गई। हमें जयपुर की सड़कों पर निर्णय नहीं करने हैं और स्थिति को और बिगड़ने से रोकना है।

राज्यपाल ने सारे विषय की अदालती जांच का आदेश दिया है। उसके बाद तथ्य का पता चल जायेगा। इस समय पुलिस पर आरोप लगाना उचित नहीं है। जयपुर में जनहानि पर मुझे बहुत दुःख हुआ हैं। वहाँ जिन लोगों की मृत्यु हो गई है उनके परिवारों के प्रति मैं अपना संवेदन तथा सहानुभूति व्यक्त करती हूँ। राजस्थान की घटनाओं से हमें बहुत चिन्ता हुई है। हम नहीं चाहते थे कि ऐसा हो। यह आरोप लगाया गया है कि मेरी सभाओं के आयोजन में सरकारी मशीनरी तथा धन का प्रयोग किया गया है। मैं इसका खण्डन करती हूँ। हां, सुरक्षा के लिये नियमों के अनुसार सरकारी मशीनरी की व्यवस्था की जाती है। हमारे देश के 6 राज्यों में गैर-कांग्रेसी सरकारें बनी हैं। इनमें कुछ राज्यों में कांग्रेस की हार नहीं हुई है। इन राज्यों में हम जिम्मेदार प्रतिपक्ष के रूप में कार्य करेंगे। राजस्थान में शीघ्र ही जिम्मेदार सरकार बनेगी। ऐसी हमें आशा है। हमें लोकतन्त्र में सच्ची निष्ठा रखनी चाहिये। हमें ऐसी स्थिति उत्पन्न करने में सहायता करनी

चाहिये कि जिसमें राष्ट्रपति का शासन समाप्त करने में सहायता हो। अब हमारे सब दलों की जिम्मेदारी बढ़ गई है। क्योंकि एक दल यहाँ पर प्रतिपक्ष में है तो किसी राज्य में वह सत्तारूढ़ भी हो सकता है। इसलिये अब सभी दलों की जिम्मेदारी बढ़ गई है।

मैं यहां यह भी कहना चाहती हूँ कि श्री बलराज मधोक ने राजस्थान में राष्ट्रपति के राज की मांग भी की थी।

श्री बलराज मधोक (दक्षिण दिल्ली) : यह अच्छा है कि आपने इसका उल्लेख किया है। जब हमें राजस्थान से कर्फ्यू के समाचार मिले और पता चला कि वहां प्रतिपक्ष वालों को एक प्रकार से बन्दी बना दिया गया है और कांग्रेस वाले अर्थात् श्री सुखाड़िया और उनके साथी स्वतन्त्रता से घूम रहे हैं उस समय हमने मांग की कर्फ्यू हटा दिया या राष्ट्रपति का राज लागू किया जाये।

श्रीमती इन्दिरा गांधी : हम इन आरोपों की जाँच करवाने के बारे में सोच रहे हैं।

Atal Behari Vajpayee (Balrampur) : I amgreateful to all the members who have spoken for and against this motion. Some members have asked whether Rajasthan was a fit case for no-confidence motion. In this connection I may say that in our opinion Rajasthan is a test case in which we would like to know whether the Central Government stand for justice, impartiality and whether it will co-operate with the non-congress Ministries in various States. There is no reason why non-congress Ministry should not have been formed in Rajasthan. It is true that non-congress Ministries have been formed in some of the States but why Rajasthan should be deprived of it. The Hon'ble Home Minister, in his speech, could not clarify as to how the decision taken by the Governor was always in favour of Congress party and adverse in case of non-congress parties ? At the time of formation of Ministry in Kerala even Socialist party of 19 members was called by the Governor but in Rajasthan only Congress party was called even after the decision that Ministry will be formed by the Congress party. It is not understood how the Governors of Kerala and Rajasthan adopt different rules in formation of a Ministry. The question of largest single party was not followed in Kerala. When Shri Sukhadia had expressed his inability to form a Ministry, why non-Congress parties were not allowed to form the Ministry ? It has been argued that the said action has been taken to preserve peace, I want to ask whether peace was disturbed before the constitution was violated ? It is just putting cart before the horse. Now as complete calm has been restored in Rajasthan the Governor has perhaps taken it as prestige issue and Central Govt. is also silent over this important issue. The members of Rajasthan Legislative Assembly came to Delhi with high hopes but they were badly disappointed. They have lost all faith in Central Government. I am pained to note that some Congress member had said that 93 members who had come here were forced to do so. May I have the permission to place a photograph of these 93 members on the Table of the House ? We had contemplated that it will perhaps be announced by the President or Prime Minister or Home Minister that situation in Rajasthan is now peaceful. There is a limit of patience of the people of Rajasthan. It is high time when impartiality of the central Govt. could be established. We will continue to have our faith in Central Govt. in case non-Congress Ministry is formed in Rajasthan *(Interruptions)* The Congress members have charged that opposition parties have been joined to form Governments when Congress has in herself Communists and Socialists and.....